भारत - इजरायल संबंध

राजनीतिक संबंध

भारत ने औपचारिक रूप से 17 सितंबर, 1950 को इजरायल को मान्यता प्रदान की। इसके शीघ्र बाद यहूदी एजेंसी ने मुंबई में एक उत्प्रवास कार्यालय स्थापित किया। आगे चलकर इसे व्यापार कार्यालय में परिवर्तित कर दिया गया और फिर बाद में इसे कांसुलेट में परिवर्तित किया गया। दूतावास 1992 में तब खोले गए जब पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित हो गए।

1992 में संबंधों के उन्नयन के बाद से रक्षा एवं कृषि द्विपक्षीय भागीदारी के मुख्य स्तंभ रहे हैं। हाल के वर्षों में, अनेक क्षेत्रों में संबंधों का विस्तार हुआ है जैसे कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, शिक्षा तथा होमलैंड सुरक्षा। सहयोग का भावी विजन मजबूत हाइटेक साझेदारी पर आधारित है जो दो अग्रणी ज्ञान अर्थव्यवस्थाओं के लिए बिल्कुल उपयुक्त है।

दोनों देशों के बीच राजनीतिक संबंध मैत्रीपूर्ण हैं। राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने अक्टूबर 2015 में इजरायल की यात्रा की। इजरायल की ओर से प्रधानमंत्री एरियल शेरोन और राष्ट्रपति एजर विजमन ने क्रमश: 2003 और 1997 में भारत का दौरा किया। हाल के वर्षों में मंत्री स्तर पर दोनों देशों के बीच अक्सर आदान – प्रदान होते रहे। गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने नवंबर 2014 में इजरायल का दौरा किया, जबकि इजरायल के कृषि मंत्री एवं रक्षा मंत्री ने क्रमश: जनवरी एवं फरवरी 2015 में भारत का दौरा किया।

आर्थिक एवं वाणिजयिक संबंध

वर्ष 1992 में 200 मिलियन अमरीकी डालर (जिसमें मुख्य रूप से डायमंड का व्यापार शामिल था) से द्विपक्षीय पण व्यापार 2011 में 5.19 बिलियन अमरीकी डालर पर पहुंच गया। तब से यह 4.5 बिलियन अमरीकी डालर के आसपास अटका हुआ है। हालांकि डायमंड में व्यापार द्विपक्षीय व्यापार के 50 प्रतिशत के आसपास है, विभिन्न क्षेत्रों जैसे कि भेषज पदार्थ, कृषि, आई टी एवं दूरसंचार तथा गृह सुरक्षा में हाल के वर्षों में व्यापार का विस्तार हुआ है। भारत की ओर से इजरायल को जिन वस्तुओं का निर्यात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से बहुमूल्य पत्थर एवं मेटल, रासायनिक उत्पाद, टेक्सटाइल तथा टेक्सटाइल की वस्तुएं, प्लांट एवं वनस्पति उत्पाद तथा खनिज उत्पाद शामिल हैं। भारत द्वारा इजरायल से जिन वस्तुओं का आयात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से बहुमूल्य पत्थर एवं मेटल, रासायनिक (मुख्यत: पोटास) एवं खनिज उत्पाद, बेसमेटल तथा मशीनरी एवं परिवहन उपकरण शामिल हैं। 2012 में, सेवाओं में कुल द्विपक्षीय व्यापार 407 मिलियन अमरीकी डालर के आसपास था। भारत की ओर से इजरायल को सेवा निर्यात का मूल्य 317 मिलियन अमरीकी डालर के आसपास था जिसमें से 162.6 मिलियन अमरीकी डालर आर एंड डी सेवाओं में था। हाल के वर्षों में, इजरायल ने चीन, जापान और भारत के साथ आर्थिक संबंधों को सुदृढ़ करने का एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

निवेश

अप्रैल, 2000 से नवंबर, 2013 की अवधि के दौरान, इजरायल से भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश 73.7 मिलियन अमरीकी डालर था। इस डाटा के तहत भारत में इजरायल से वह एफ डी आई प्रवाह शामिल नहीं हो जो यूएसए, यूरोप एवं सिंगापुर के माध्यम से आता है। इजरायल की कंपनियों ने भारत में ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा, रियल एस्टेट, जल प्रौद्योगिकी में निवेश किया है तथा भारत में आर एंड डी सेंटर या उत्पादन यूनिटें भी स्थापित कर रही हैं।

हालांकि इजरायल में भारत के निवेश के बारे में कोई आधिकारिक डाटा उपलब्ध नहीं है, भारत से इजरायल में महत्वपूर्ण निवेश के तहत जैन इरिगेशन द्वारा इजरायल की ड्रिप इरिगेशन कंपनी नांदन का 100 प्रतिशत अधिग्रहण शामिल है, सन फार्मा ने तारो फार्मास्यूटिकल में नियंत्रक शेयर का अधिकग्रहण किया तथा त्रिवेणी इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज ने इजरायल की अपशिष्ट जल शोधन कंपनी अक्वाइस में निवेश किया है। 2005 में टी सी एस ने इजरायल में अपना प्रचालन आरंभ किया तथा स्टेट ऑफ इंडिया ने 2007 में तेल अवीव में अपनी एक शाखा खोली है तथा टेक महिंद्रा ने उल्लेखनीय अधिग्रहण किए हैं।

कृषि

कृषि के क्षेत्र में सहयोग के लिए भारत और इजरायल ने एक द्विपक्षीय करार किया है। 2015-18 के लिए द्विपक्षीय कार्य योजना इस समय प्रचालन के अधीन है। इसका उद्देश्य डेयरी एवं पानी जैसे नए क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार करना है। 2012-15 की पिछली योजना में हरियाणा, महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात आदि जैसे विभिन्न राज्यों में कृषि सहयोग का विस्तार किया। इन राज्यों में कृषि में 15 उत्कृष्टता केन्द्र पहले ही चालू हो चुके हैं।

बागवानी, यंत्रीकरण, संरक्षित खेती, उपवन एवं कैनोपी प्रबंधन, नर्सरी प्रबंधन, सूक्ष्म सिंचाई तथा फसल पश्चात प्रबंधन में विशेष रूप से हरियाणा एवं महाराष्ट्र में इजरायल की विशेषज्ञता एवं प्रौद्योगिकी से भारत को बहुत लाभ हुआ है। इजरायल की ड्रिप सिंचाई प्रौद्योगिकी एवं उत्पादों का अब भारत में बड़े पैमाने पर उपयोग हो रहा है। इजरायल की कुछ कंपनियां और विशेषज्ञ अधिक दुग्ध उत्पादन में अपनी विशेषज्ञता के माध्यम से डेयरी फार्मिंग के प्रबंधन एवं सुधार के लिए अपनी विशेषज्ञता उपलब्ध करा रहे हैं।

रक्षा एवं सुरक्षा

भारत इजरायल से महत्वपूर्ण रक्षा प्रौद्योगिकियों का आयात करता है। सशस्त्र बलों एवं रक्षा कार्मिकों के बीच नियमित रूप से आदान – प्रदान होता है। थल सेना प्रमुख जर्नल बिक्रम सिंह और रक्षा सचिव ने 2014 में इजरायल का दौरा किया। इजरायल के नौसेना एवं वायु सेना प्रमुखों ने 2015 में भारत का दौरा किया। अगस्त 2015 में हाइफा बंदरगाह पर आई एन एस त्रिकंद द्वारा पोर्ट आफ काल किया गया।

आतंकवाद की खिलाफत से जुड़े मुद्दों पर सहयोग सतत रूप से जारी है जिसमें आतंकवाद की खिलाफत पर एक संयुक्त कार्य समूह शामिल है जिसकी पिछली बैठक जुलाई 2015 में हुई थी। फरवरी, 2014 में, भारत और इजरायल ने तीन महत्वपूर्ण करारों पर हस्ताक्षर किए जो इस प्रकार हैं : आपराधिक मामलों में परस्पर कानूनी सहायता के लिए करार, होमलैंड एवं सार्वजनिक सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग के लिए करार और वर्गीकृत सामग्री के संरक्षण के लिए करार। गृह सुरक्षा में सहयोग के तहत चार कार्यसमूहों का गठन किया गया है जो सीमा प्रबंधन, आंतरिक सुरक्षा एवं सार्वजनिक सुरक्षा, पुलिस आधुनिकीकरण तथा अपराध से लड़ने के लिए क्षमता निर्माण, अपराध की रोकथाम और साइबर सुरक्षा के क्षेत्रों में हैं। भारत और इजरायल में इन समूहों की नियमित रूप से बैठकें होती हैं। 2012 और 2013 बैच के आई पी एस अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने विदेश भ्रमण दौरे के तहत 2015 में इजरायल का दौरा किया।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में सहयोग

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत – इजरायल सहयोग दो ट्रैक पर विकसित हुआ है। 1993 में हस्ताक्षरित विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहयोग करार के तहत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की संस्थाओं द्वारा संयुक्त रूप से अनुसंधान किया जाता है। दूसरा, 2005 में हस्ताक्षरित औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास पहल पर एक एम ओ यू के तहत द्विपक्षीय औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए एक

संयुक्त औद्योगिक आर एंड डी फंड आई4आरडी का गठन किया गया है। i4आरडी के तहत संयुक्त औद्योगिक परियोजनाएं वित्त पोषित की जा रही हैं। जिसमें कम से कम एक भारतीय और एक इजरायली कंपनी शामिल होती है। 2013 में कर्नाटक राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद और कर्नाटक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संवर्धन सोसायटी ने औद्योगिक आर एंड डी साझेदारी के लिए इजरायल के एम ए टी आई एम ओ पी – जो इजरायली अनुसंधान एवं विकास के लिए उद्योग केंद्र है, के साथ एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से उद्योग अपने साझेदार के जरिए संयुक्त द्विपक्षीय आर एंड डी परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकते हैं, जिसमें कर्नाटक की कम से कम एक लघु / मझोली कंपनी तथा इजरायल की एक कंपनी शामिल हो।

जनवरी, 2014 में, भारत और इजरायल ने एक भारत – इजरायल सहयोग निधि स्थापित करने के लिए विस्तार से चर्चा की जिसका उद्देश्य संयुक्त वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय सहयोग के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा देना है। इस फंड में पांच वर्ष की अवधि में कुल 40 मिलियन अमरीकी डालर के कार्पस के परिकल्पना की गई है तथा इसमें प्रत्येक पक्ष द्वारा 20 मिलियन अमरीकी डालर का योगदान किया जाएगा। भारत की ओर से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग इसके लिए नोडल विभाग है।

टाटा इंडस्ट्री तथा रैमोट, तेल अवीव विश्वविद्यालय (विश्वविद्यालय की प्रौद्योगिकी अंतरण कंपनी) ने अनेक क्षेत्रों में वाणिज्यिक प्रौद्योगिकियों का वित्त पोषण करने एवं सृजन करने के लिए एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया है, जिसके तहत इंजीनियरिंग, सटीक विज्ञान, पर्यावरण एवं स्वच्छ प्रौद्योगिकी, भेषज पदार्थ तथा स्वास्थ्य देख-रेख शामिल हैं। इस एम ओ यू के तहत 5 मिलियन अमरीकी डालर के निवेश से टाटा इंडस्ट्री रैमोट के 20 मिलियन अमरीकी डालर के प्रौद्योगिकी नवाचार मोमेंटम फंड में लीड इन्वेस्टर होगी। सन फार्मा ने ओंकोलाजी तथा मस्तिष्क की बीमारियों के लिए औषधियों का विकास करने के लिए क्रमश: टेकनियन और विजमन के साथ अनुसंधान सहयोग पर हस्ताक्षर किया है।

इसरो तथा इजरायल अंतरिक्ष एजेंसी ने अपनी संविदाओं को नवीकृत किया है तथा 2014 एवं 2015 में द्विपक्षीय बैठकों का आयोजन किया। साइबर ऐसे क्षेत्रों में से एक के रूप में उभरा है जिसमें दोनों देशों ने साझेदारी आरंभ की है।

संस्कृति एवं शिक्षा :

इजरायल में भारत को मजबूत सांस्कृतिक परंपराओं वाले एक प्राचीन देश के रूप में पहचान मिली हुई है। इजरायल की युवा पीढ़ी भारत को एक आकर्षक, वैकल्पिक टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में देखती है। पर्यटन व्यवसाय एवं प्रयोजनों के लिए हर साल 35 हजार इजरायली भारत आते हैं। 40,000 से अधिक भारतीय हर साल इजरायल की यात्रा करते हैं। वे मुख्य रूप से तीर्थ यात्री हैं जो पवित्र स्थानों को देखने जाते हैं। दूतावास इजरायल में अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करता है जिसमें व्याख्यान, प्रदर्शन, कार्यशालाएं, पाकशाला कार्यक्रम, फोटोग्राफी प्रतियोगिता आदि शामिल हैं। इजरायल में आयोजित पहले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में 1500 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

तेल अवीव विश्वविद्यालय, हिब्रू विश्वविद्यालय तथा हाइफा विश्वविद्यालय में भारत से संबंधित अनेक पाठ्यक्रम पढ़ाए जाते हैं। पूर्वी एवं दक्षिण पूर्व एशियाई अध्ययन विभाग में भारतीय अध्ययन के लिए एक चेयर स्थापित करने के लिए भारत ने तेल अवीव विश्वविद्यालय के साथ एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया है जिसके तहत एक सेमेस्टर के लिए भारतीय प्रोफेसर वहां जाते हैं। संकाय सदस्यों के आदान – प्रदान के लिए कुछ निजी एवं सार्वजनिक भारतीय विश्वविद्यालयों ने इजरायल के विश्वविद्यालयों के साथ करार किया है जिसके तहत इजरायल के प्रोफेसर भारत में एक सेमेस्टर के दौरान पढ़ाते हैं। भारत और इजरायल के विश्वविद्यालय विभिन्न विषयों पर आपस में सहयोग कर रहे हैं तथा अनेक करारों पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

अक्टूबर 2015 में माननीय राष्ट्रपति की यात्रा के दौरान भारत और इजरायल के विश्वविद्यालयों के बीच 8 शैक्षिक करारों पर निर्णय लिए गए।

मई, 2013 में, भारत और इजरायल ने संयुक्त शैक्षिक अनुसंधान का एक नया वित्त पोषण कार्यक्रम शुरू किया तथा इसका पहला चक्र सटीक विज्ञान एवं मानविकी दोनों पर केंद्रित था। दोनों देशों की सरकारों ने 4 वर्ष की अवधि में 12.5 मिलियन अमरीकी डालर की राशि की प्रतिबद्धता की है। इस निधि के तहत प्रायोगिक परियोजनाओं के लिए 3,00000 अमरीकी डालर की राशि प्रदान की गई तथा रोगहर परियोजनाओं के लिए 1,80000 अमरीकी डालर की राशि प्रदान की गई। समकक्ष संगठन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा इजरायल विज्ञान प्रतिष्ठान हैं। पिछले साल इस निधि के तहत 21 संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं को वित्त पोषित किया गया।

वर्ष 2012 से, इजरायल भारत एवं चीन छात्रों को पोस्ट डाक्टोरल छात्रवृत्तियों की पेशकश कर रहा है। तब से लगभग 350 फेलोशिप में से 250 से अधिक फेलोशिप भारतीय छात्रों को प्रदान की गई है। इजरायल सरकार ने इजरायल के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों जैसे कि आई आई टी हाइफा, तेल अवीव विश्वविद्यालय, हिब्रू विश वविद्यालय तथा बेन गुरियन विश्वविद्यालय में भारत और चीन के छात्रों के लिए 8 पाठ्यक्रमों के लिए 250 समर स्कालरशिप को भी अनुमोदित किया है। भारत इजरायल के नागरिकों को हर साल 7 आई सी सी आर छात्रवृत्तियों की पेशकश करता है।

2013 में, नान दन जैन इरिगेशन कंपनी ने भारत में पढ़ाई जारी रखने के लिए भारतीय कला एवं संस्कृति के इजरायली समर्थकों को दो वार्षिक छात्रवृत्ति शुरू की। अब तक इजरायल के चार लोगों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। 2014 में, भारतीय डायमंड समुदाय ने इजरायल के हिंदी के मेधावी छात्रों के भारत के स्टडी टूर को वित्त पोषित करने के लिए एक फंड स्थापित किया है। अब तक इन छात्रवृत्तियों का 12 छात्रों ने लाभ उठाया है।

भारतीय समुदाय

इजरायल में भारतीय मूल के तकरीबन 80,000 यहूदी हैं। भारत से इजरायल पलायन की लहरें 1950 और 1960 के दशकों में शुरू हुई थी। इनमें अधिकतर महाराष्ट्र के लोग हैं (बेने इजरायली) तथा इनके बाद अपेक्षाकृत कम संख्या में केरल (कोचीनी यहूदी) और कोलकाता (बगदादी यहूदी) हैं। हाल के वर्षों में भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों से कुछ भारतीय यहूदी (बनेई मेनाशे) इजरायल पलायन कर रहे हैं। हालांकि पुरानी पीढ़ी आज भी भारतीय जीवन शैली को अपनाए हुए है तथा भारत के साथ अपने सांस्कृतिक संपर्कों को बनाए हुए है, युवा पीढ़ी अधिकाधिक इजरायली समाज में घुल-मिल रही है। तथापि 'भारत को जानो' कार्यक्रम और 'भारत को पढ़ो' कार्यक्रम की युवा पीढ़ी द्वारा भरपूर सराहना की गई है।

चेन्नामंगलम, कोचीन से जाने वाले श्री इलियाहू मेजालेल ने एक प्रख्यात कृषक के रूप में अपनी पहचान बनाई है तथा 2005 में भारतीय प्रवासी सम्मान प्राप्त करने वाले पहले इजरायली बने। शेख अंसारी जो जेरूस्सलम में इंडियन हॉस्पाइस का प्रबंधन करते हैं, जो इस पवित्र शहर से भारत का एक अनोखा संबंध है, को 2011 में प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित किया गया।

भारतीय दूतावास ने इजरायल में भारतीय यहूदियों के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में सहायता प्रदान की जिसका आयोजन अगस्त, 2015 को रामले में किया गया। इस कार्यक्रम में कमोबेश 4000 लोगों ने भाग लिया।

इजरायल ने लगभग 10 हजार भारतीय नागरिक हैं जिनमें 9 हजार के आसपास तिमारदार हैं। अन्य हीरे के व्यापारी, कुछ आईटी प्रोफेशनल, छात्र एवं अकुशल मजदूर हैं।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, इजरायल की वेबसाइट :
http://www.indembassy.co.il/

भारतीय दूतावास, इजरायल फेसबुक :
https://www.facebook.com/IndiaInIsrael

भारतीय दूतावास, इजरायल ट्विटर :
https://twitter.com/indemtel

भारतीय दूतावास, इजरायल यूट्यूब :
https://www.youtube.com/user/Indianembassytelaviv

भारतीय दूतावास, इजरायल का फ्लिकर :
https://www.flickr.com/photos/indembtelaviv/sest

***

जनवरी, 2016